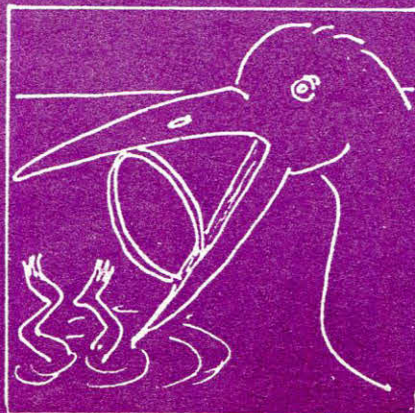
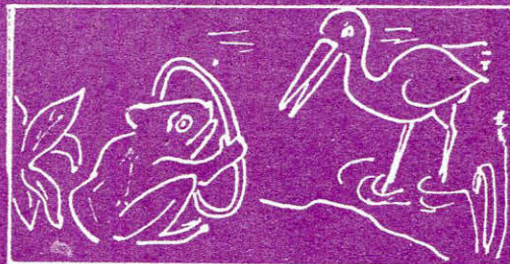
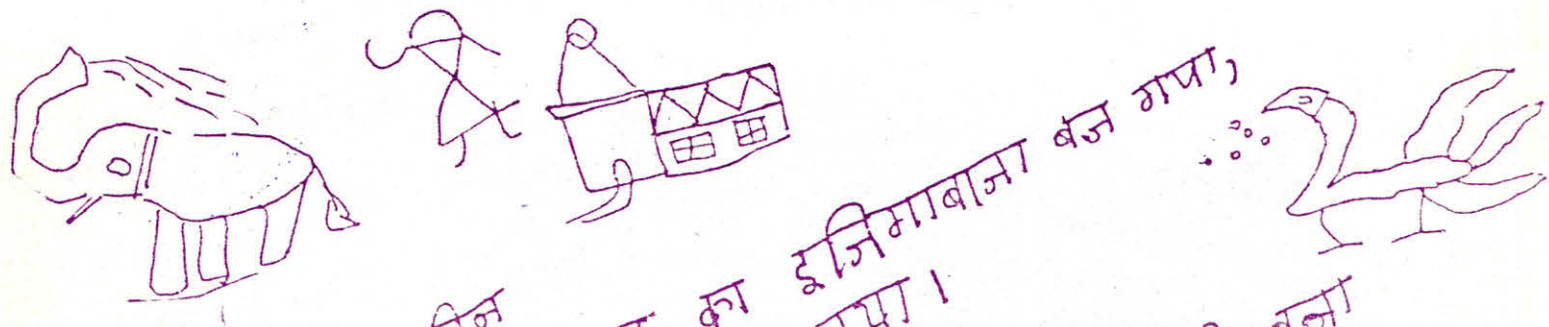


बुझी-बुझी



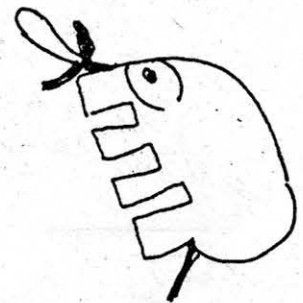
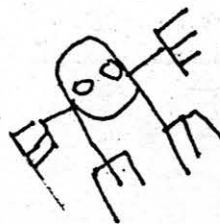
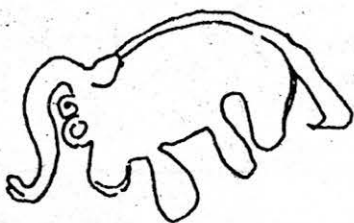
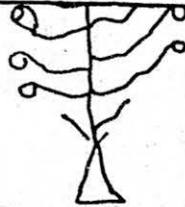
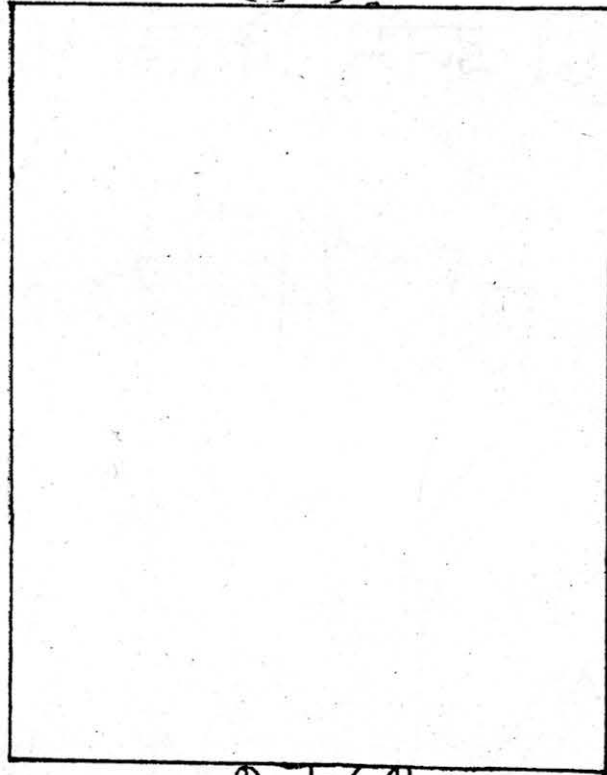
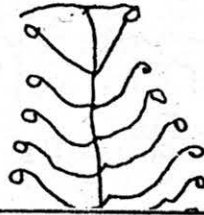
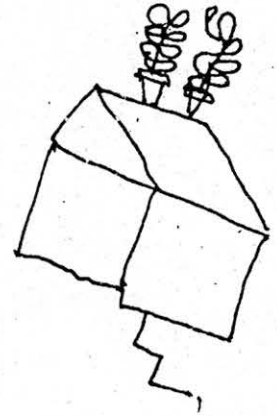
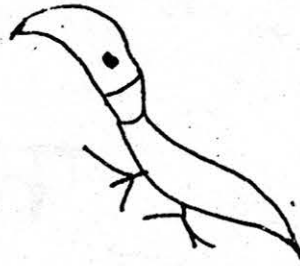
की किताब
कक्षा १



एक दिन
 एक जमीन ~~का~~ पत्त का इजिमाबाना बज गया,
 तो ~~व~~ वी जमा गया।
 और उसने ~~आ~~ एक फलोंग,
 फिर उसने मारी एक कुत्ता, फिर उसने बना
 दी ये किताब।

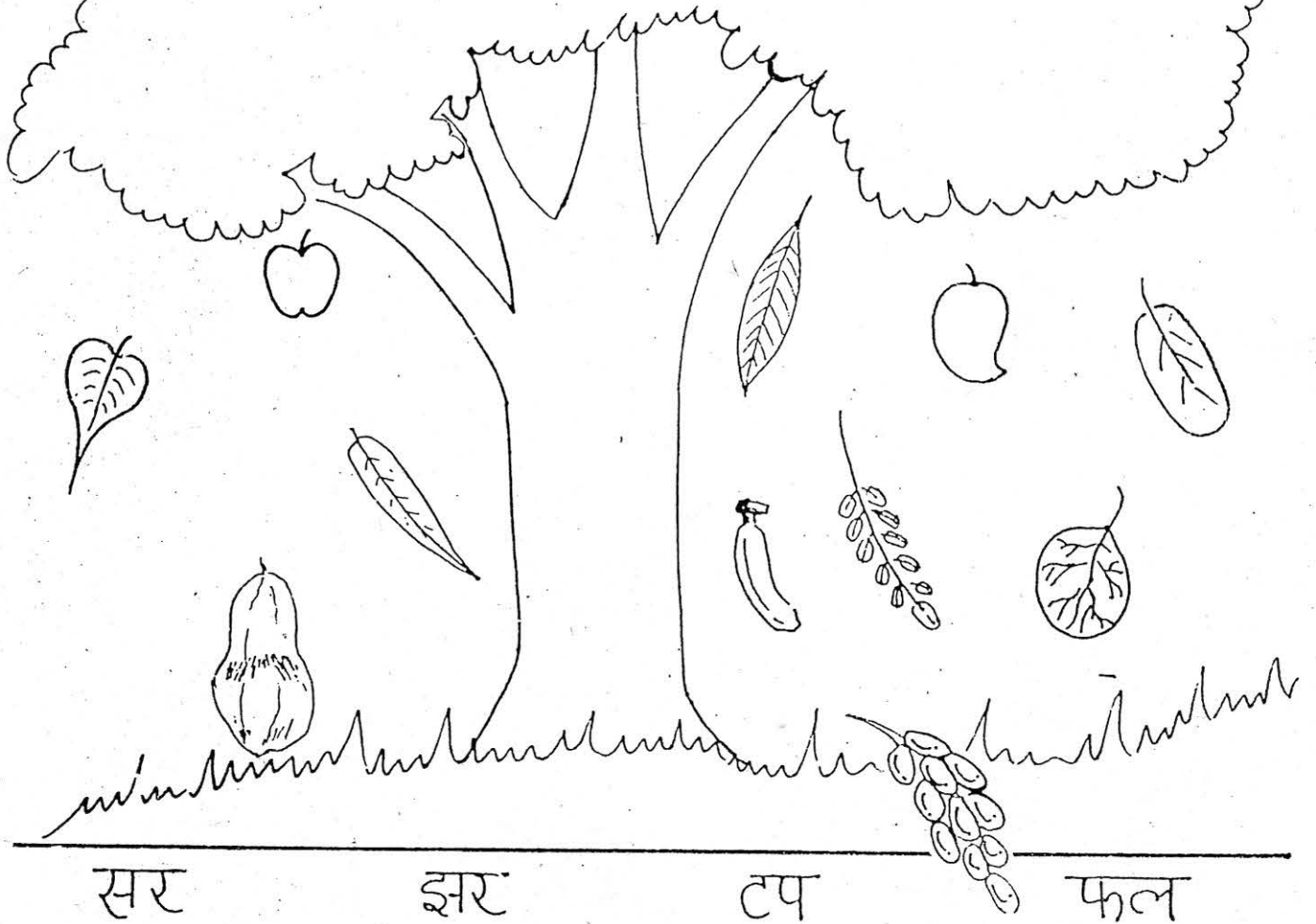


मध्यप्रदेश शासन के आदेश क्रमांक एक 46-5/88/सी-3/20, दिनांक 7 जून, 1988
 तहत चयनित शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा तैयार यह शैक्षिक सामग्री, मध्यप्रदेश
 पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित एवं राजकमल ऑफसेट, भोपाल द्वारा मुद्रित।
 इस सामग्री को तैयार करने में कई किताबों की मदद ली गई है। आवरण पृष्ठ
 "सचित्र कहानियां" से साभार।



फल

चली हवा है सर सर सर
झड़ती पत्ती झर झर झर
टपक रहे हैं टप टप फल
दूँढी इनमें कितने फल।



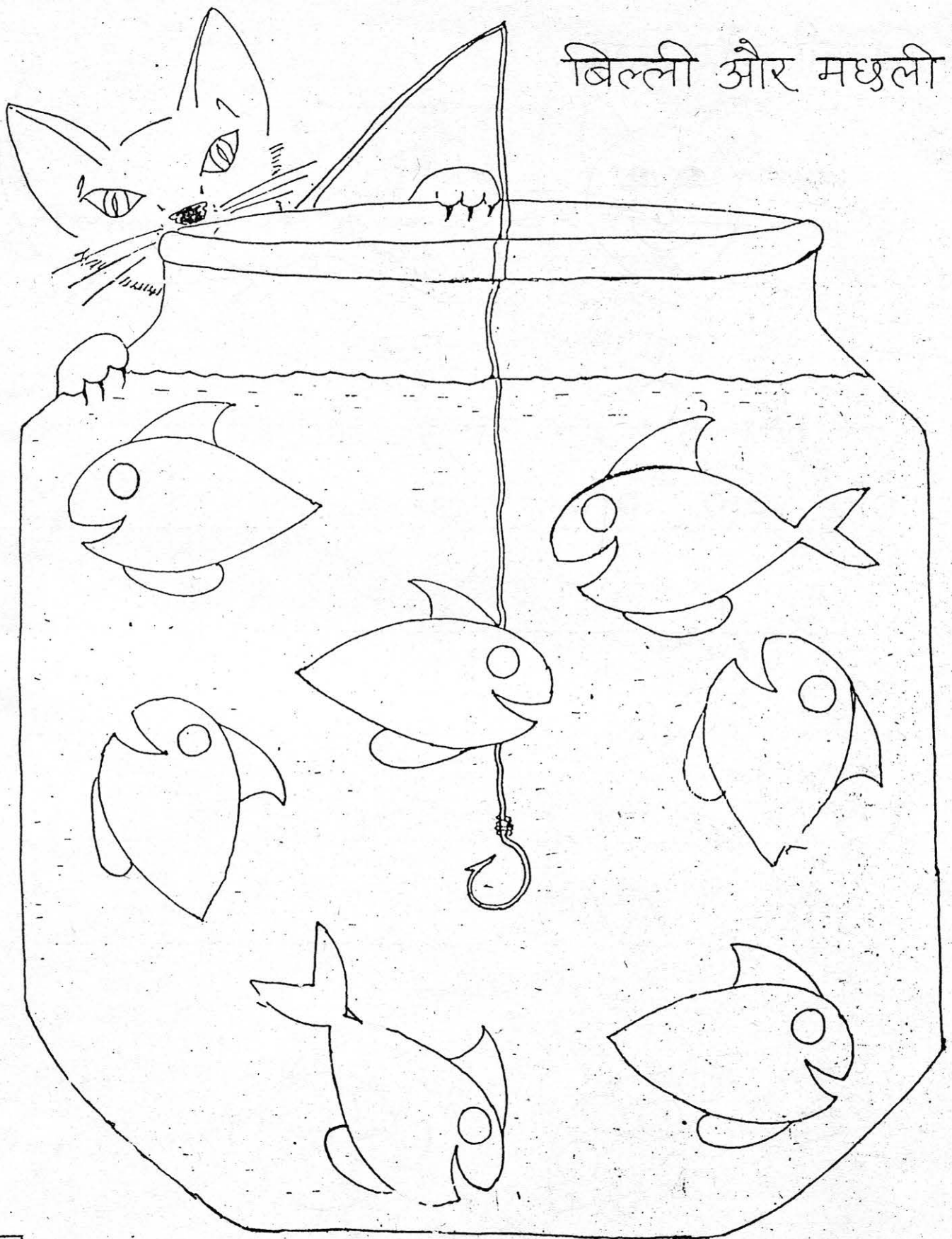
सर

झर

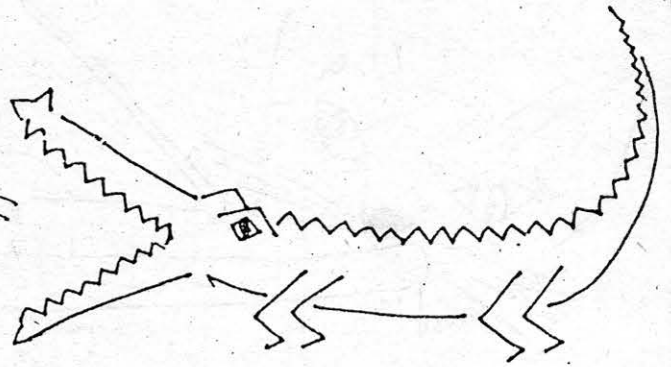
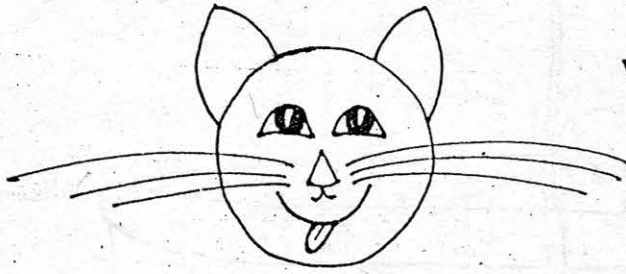
टप

फल

बिल्ली और मछली ३



⑧ बिल्ली और मगर



C C C

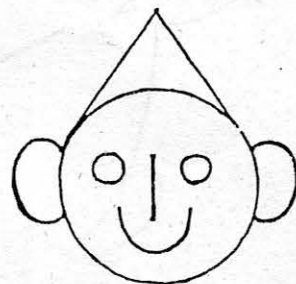
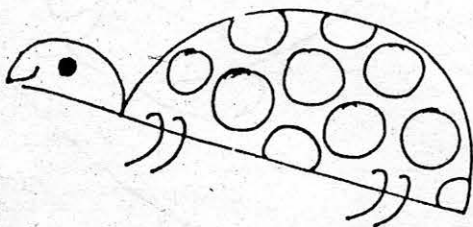
o|o o|o o|o

C) C)

C| C|

∪ ∪ ∪

△△ △△



कछुआजी और जोकर

बरसात

बादल गरजा ढप ढप ढप
 पानी टपका टप टप टप ।
 बिजली चमकी भक भक भक
 हिल गये मैया कंप कंप कंप ।

गिरती बूंदें लप लप लप लप
 हिलते पत्ते हप हप हप हप ।
 बनता कीचड़ घप घप घप घप
 बच्चे चलते छप छप छप छप ।



तितली आई फूल पर

फड़ फड़ करते अपने पंख
तितली आई फूल पर ।

ऊपर नीचे , नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।

कांटे पत्ते डाली के संग
हिला हिलाकर अपने पंख

ऊपर नीचे , नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।

पंख	पंखा	नीचे	नीचे
फड़	फाड़	कांटे	कांटे
पर	पार	फल	फूल




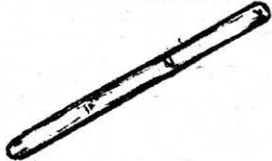

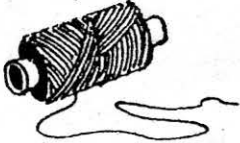



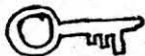
(८)

कौन कहाँ

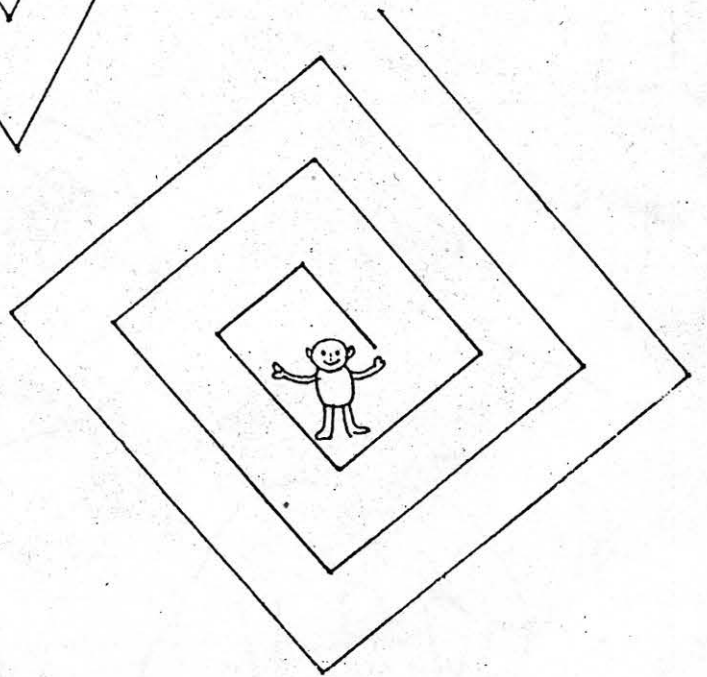
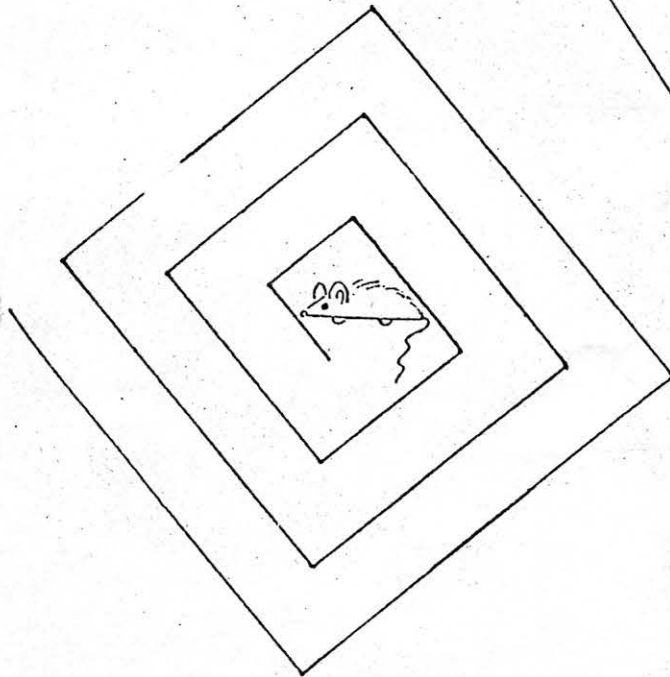
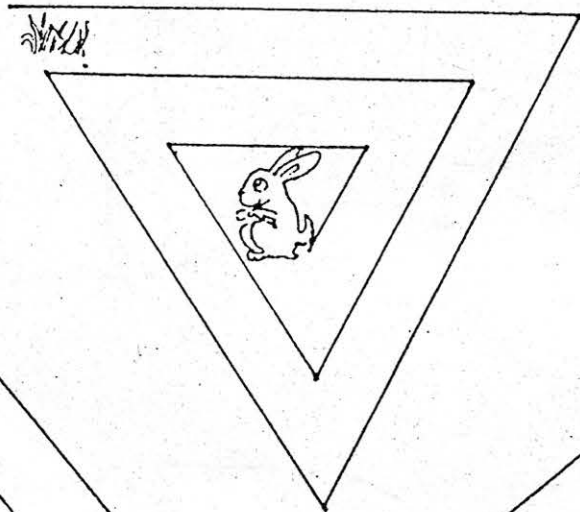
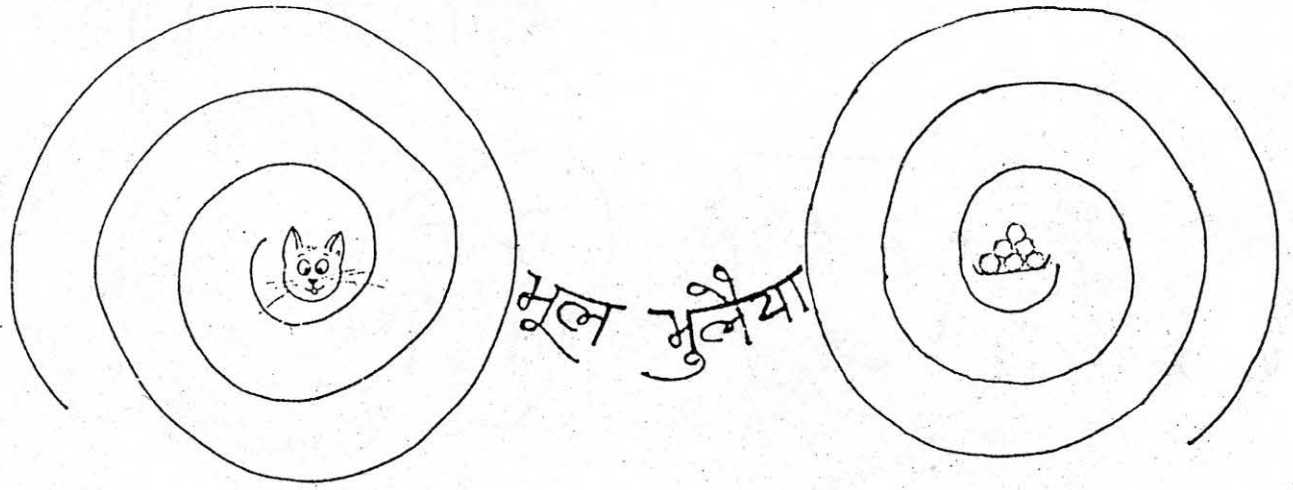
ताला - चाबी निकले साथ,
सुई धागे से करते बात ।

पहुँचे सब एक मैले में,
रके गये सब एक रैले में ।

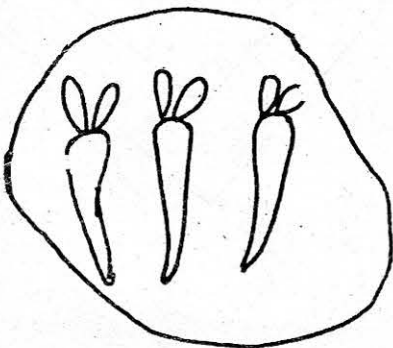
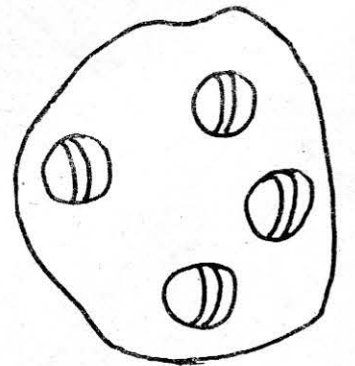
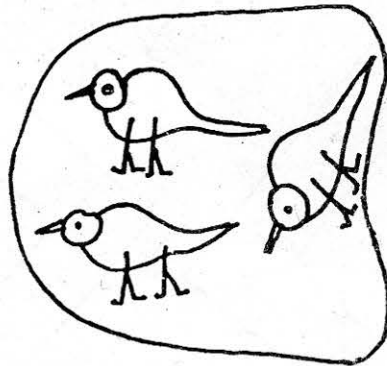
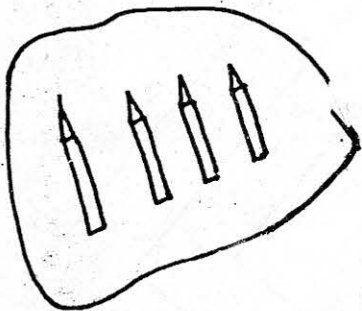
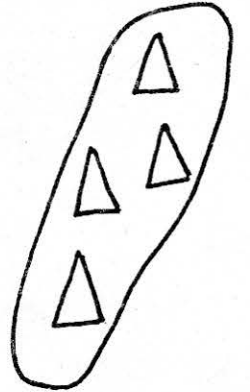
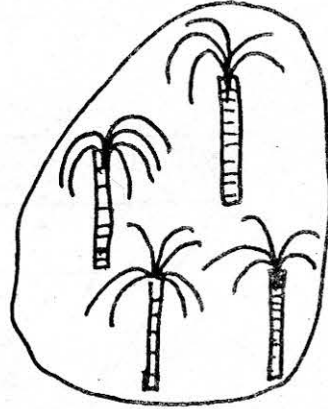
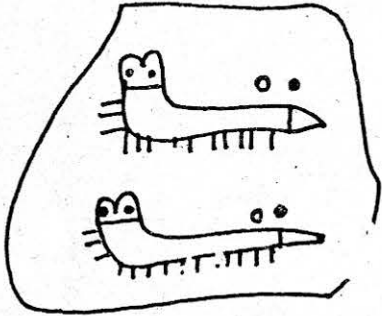
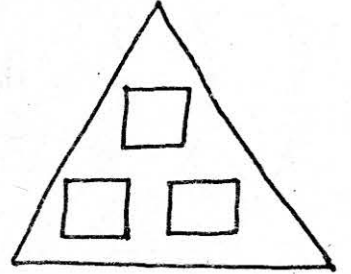
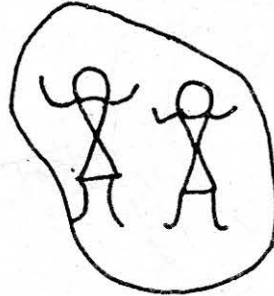
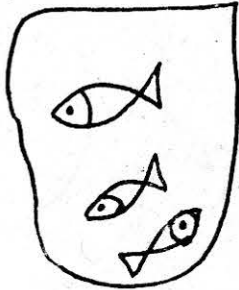
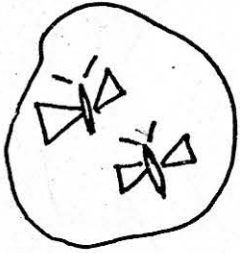
ताला पूछे चाबी कहाँ,
धागा रोये सुई कहाँ ।

ताला			बेलन
सुई			डंडा
चकला			धागा
गिल्ली			पेंसिल
कापी			चाबी

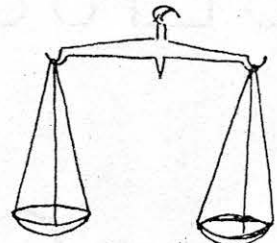
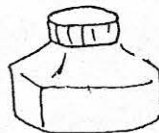
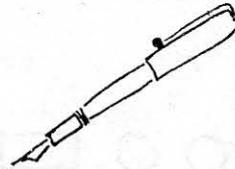
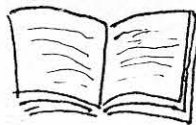
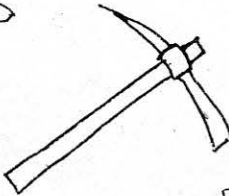
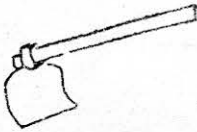
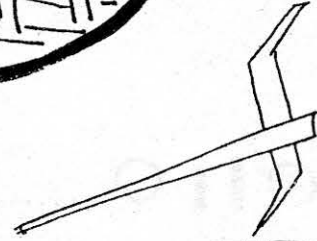
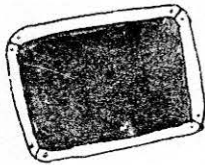
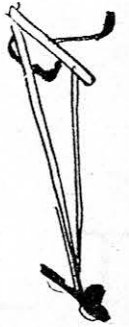
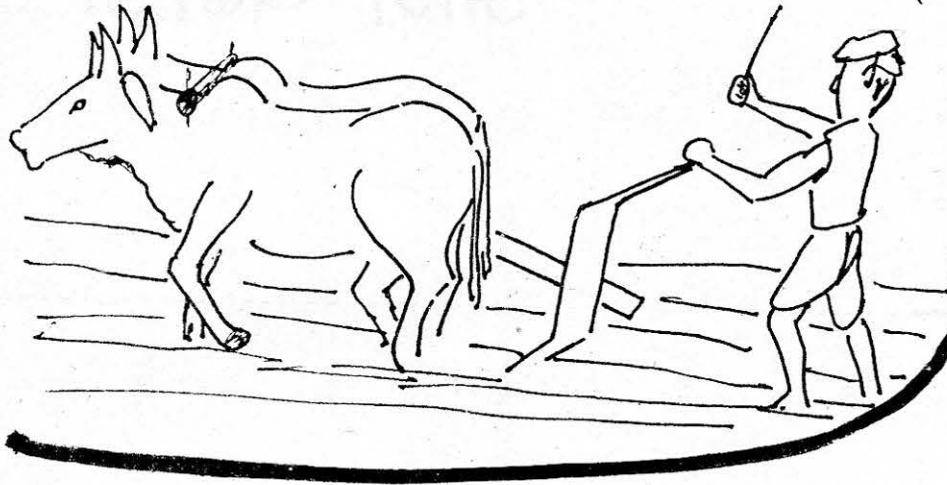
(८)



बराबर जोड़े मिलाओ



ठैले में और खेत में और स्कूल में



92

आगे बढ़ाओ

T T T T

|| O || O || O

↑ ↓ ↑ ↓

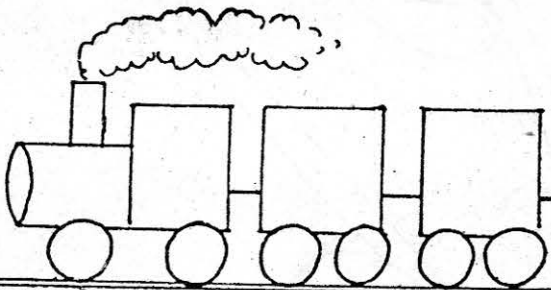
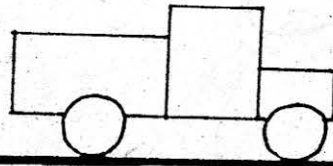
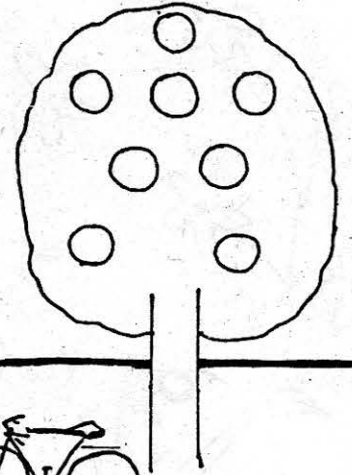
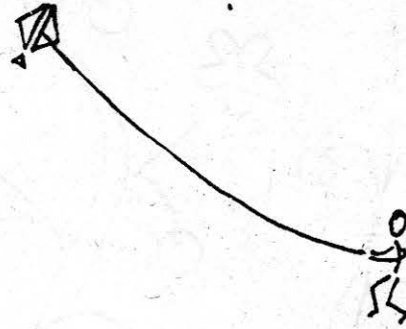
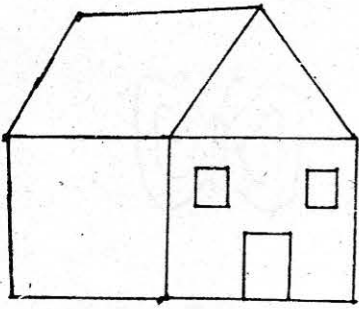
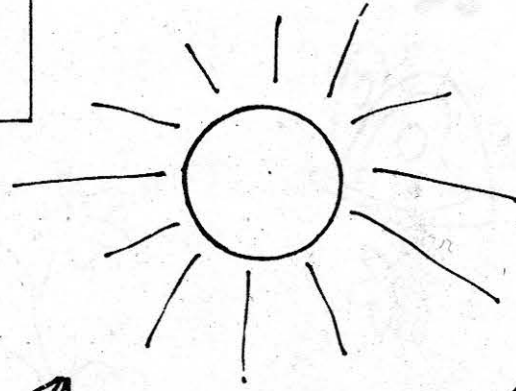
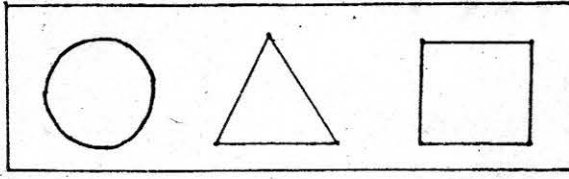
^ v ^ v

O O □ O O □ O

🍌 🍏 🍏 🍌 🍏 🍏

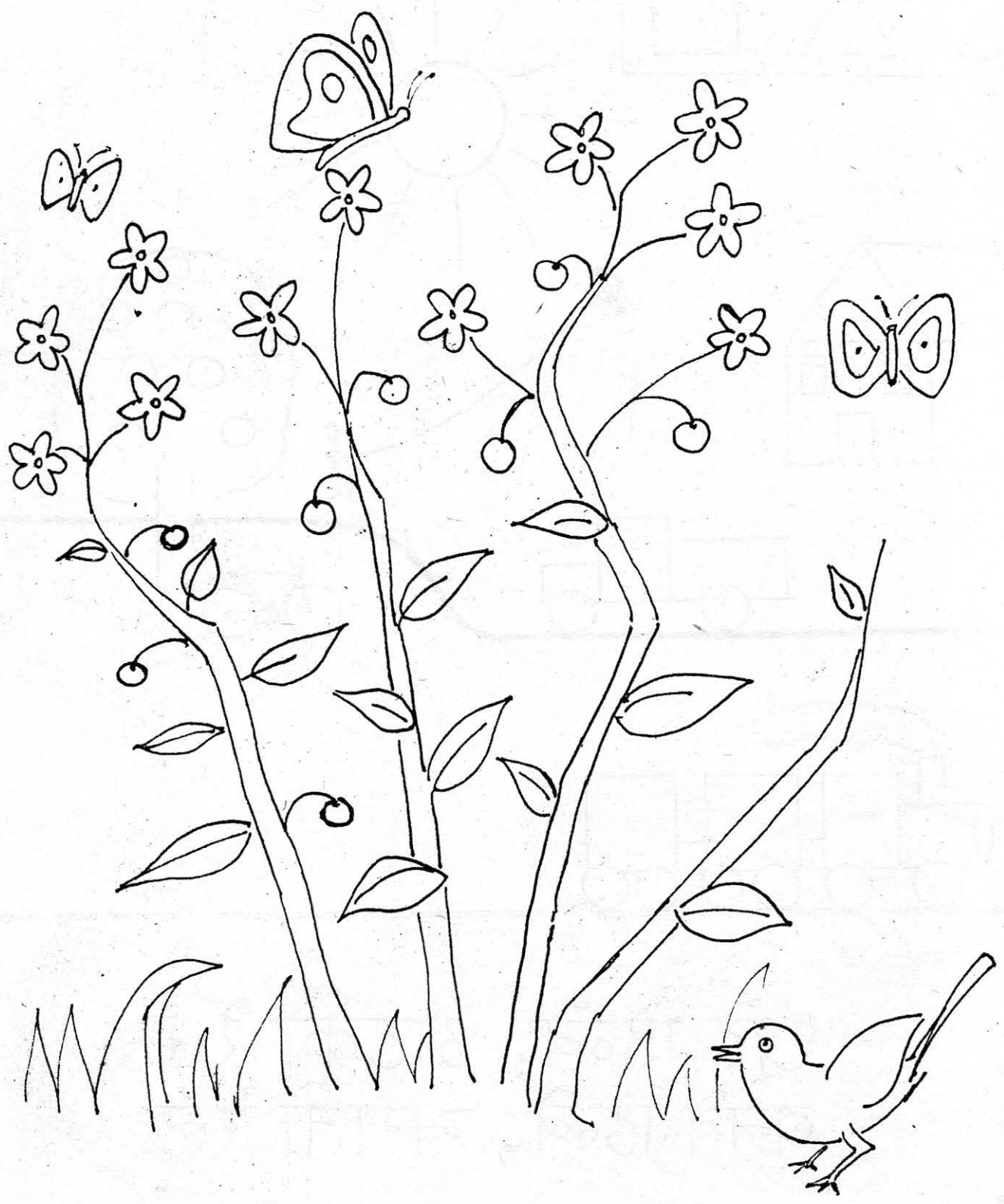
92

चलो सैर पर



छुटे डिब्बे, अटकी रेल
बनते डिब्बे, मगती रेल

फूल और फल



बाजार

आडड़ बाडड़ लगा बाजार

लोग हैं आयें खूब हजार ।

हल्दी सब्जी मटका अचार

बैठ करे हैं सोच विचार ।



भोड़ भड़कका धककम धकका

ठाका ठम्मम झम्मम झटका ।



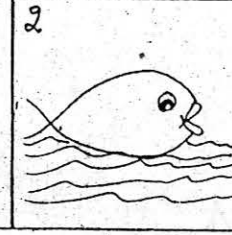
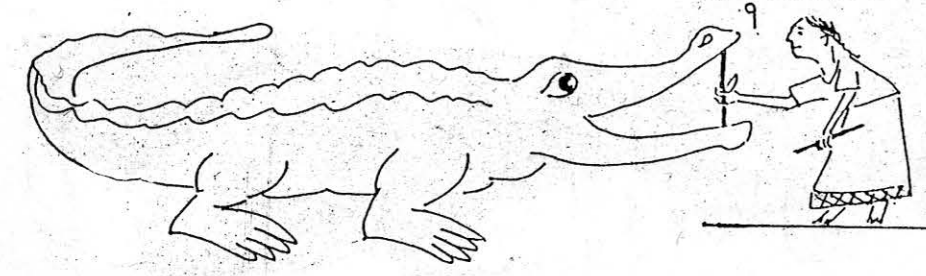
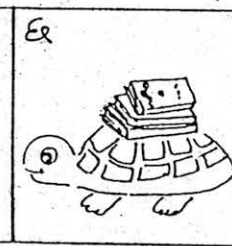
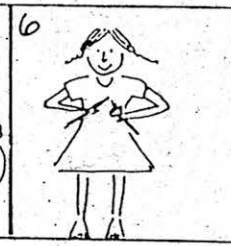
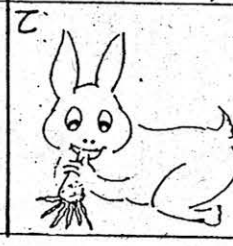
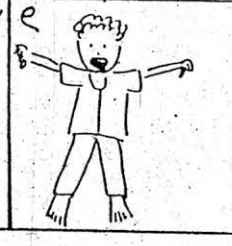
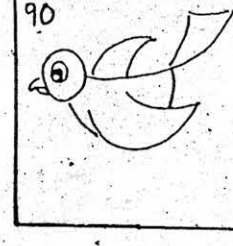
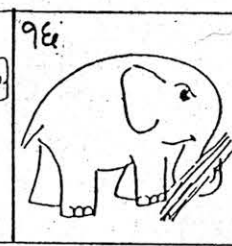
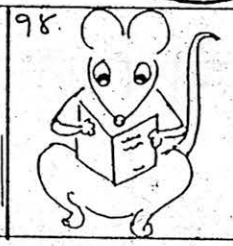
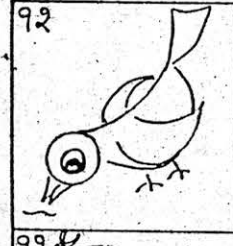
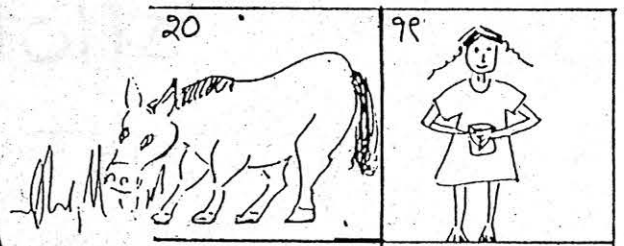
बगरी हल्दी फूटा मटका

रोई सब्जी, रोया अचार

लोग भी रोये खूब हजार ।

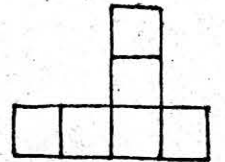
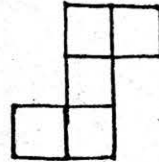
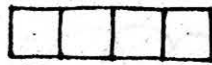
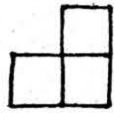


मगर भैया को
 १ पै मिली लड़की
 २ पै मिली मछली

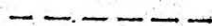


एक और जोड़ो

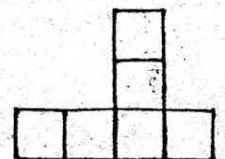
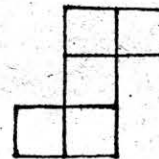
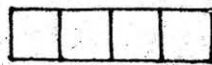
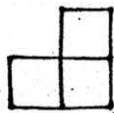
गिनो



लिखो



एक जोड़ो

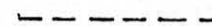


लिखो

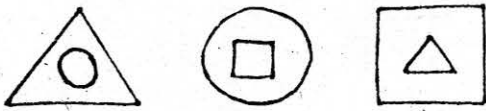


एक और जोड़ो

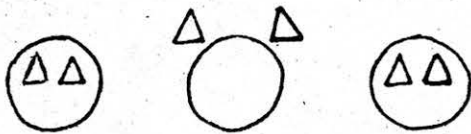
लिखो



आगे बनाओ.....



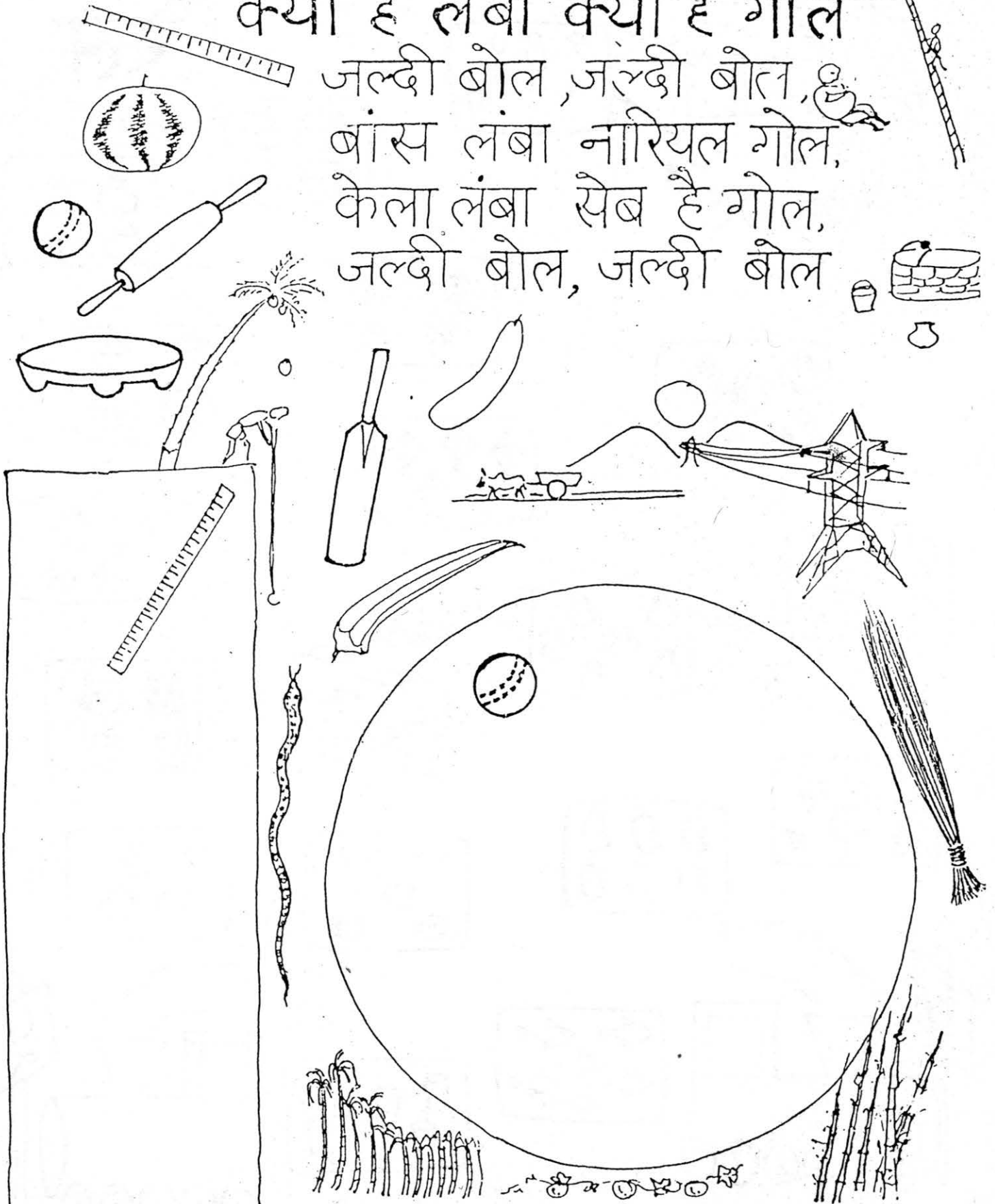
3 E 3



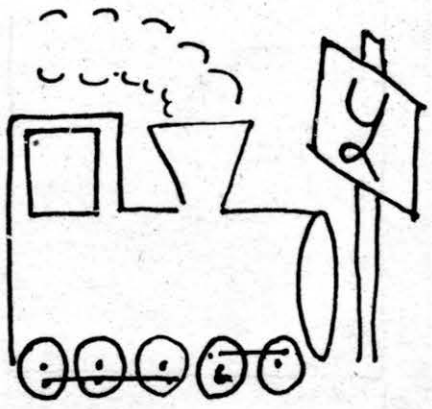
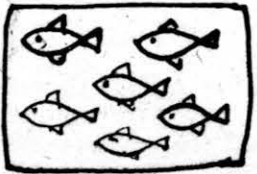
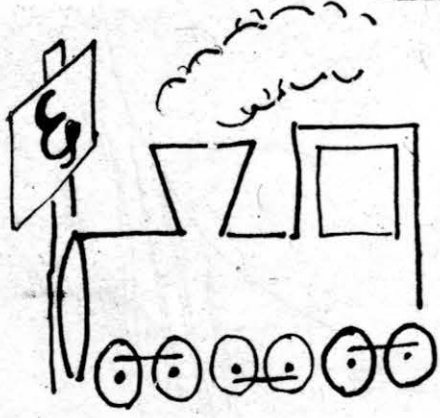
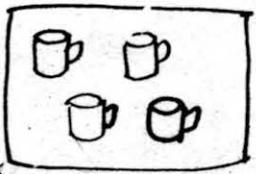
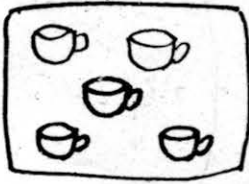
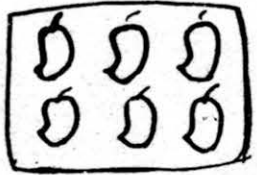
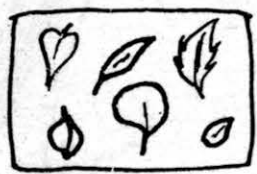
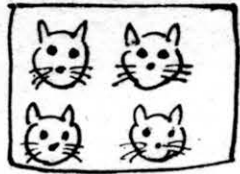
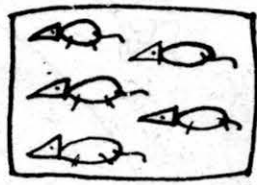
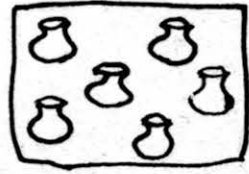
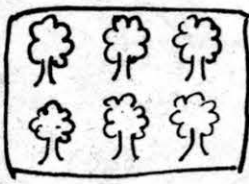
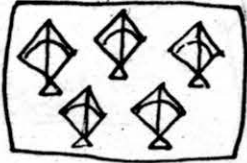
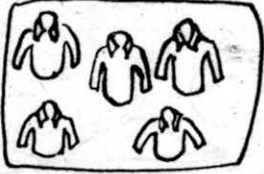
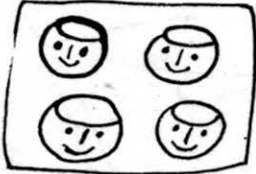
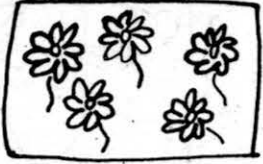
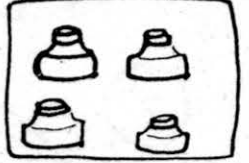
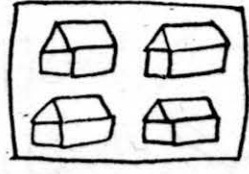
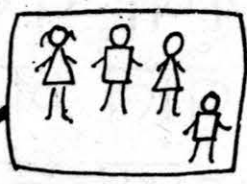
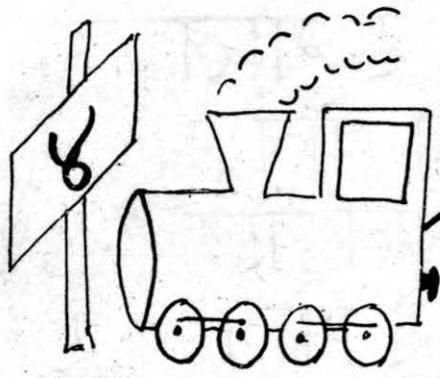
lee lee

क्या है लंबा क्या है गोल

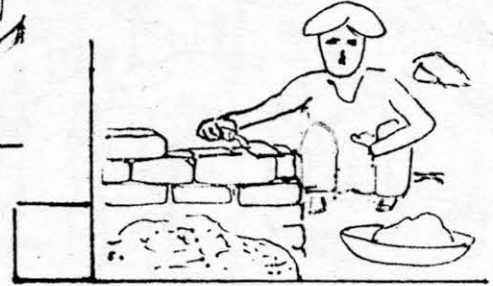
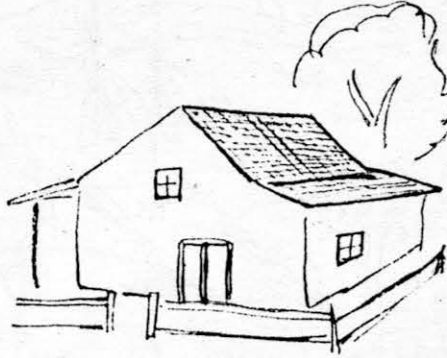
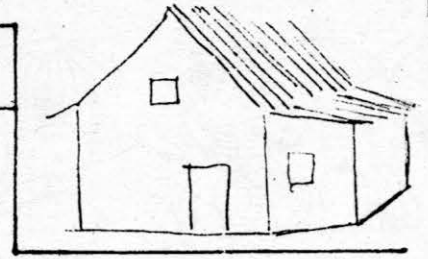
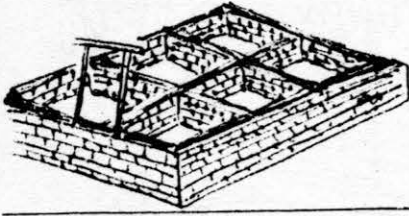
जल्दी बोल, जल्दी बोल,
बांस लंबा नारियल गोल,
केला लंबा सेब है गोल,
जल्दी बोल, जल्दी बोल



रेल



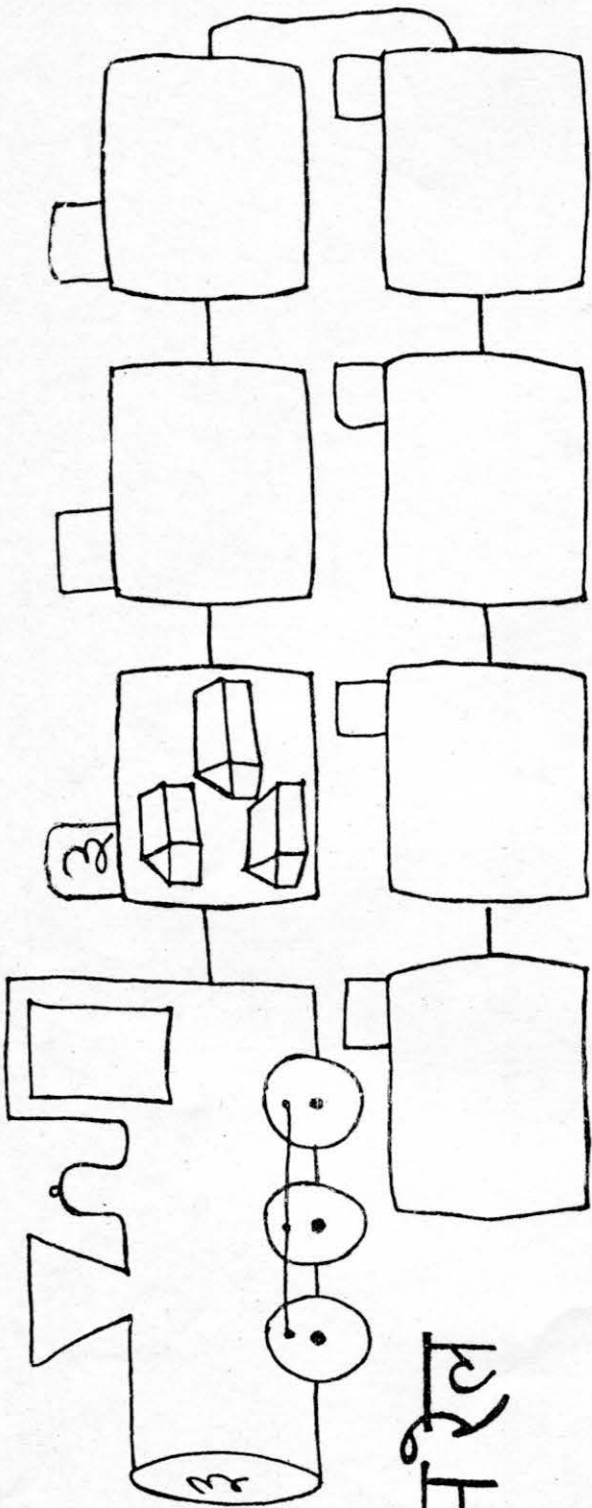
घर



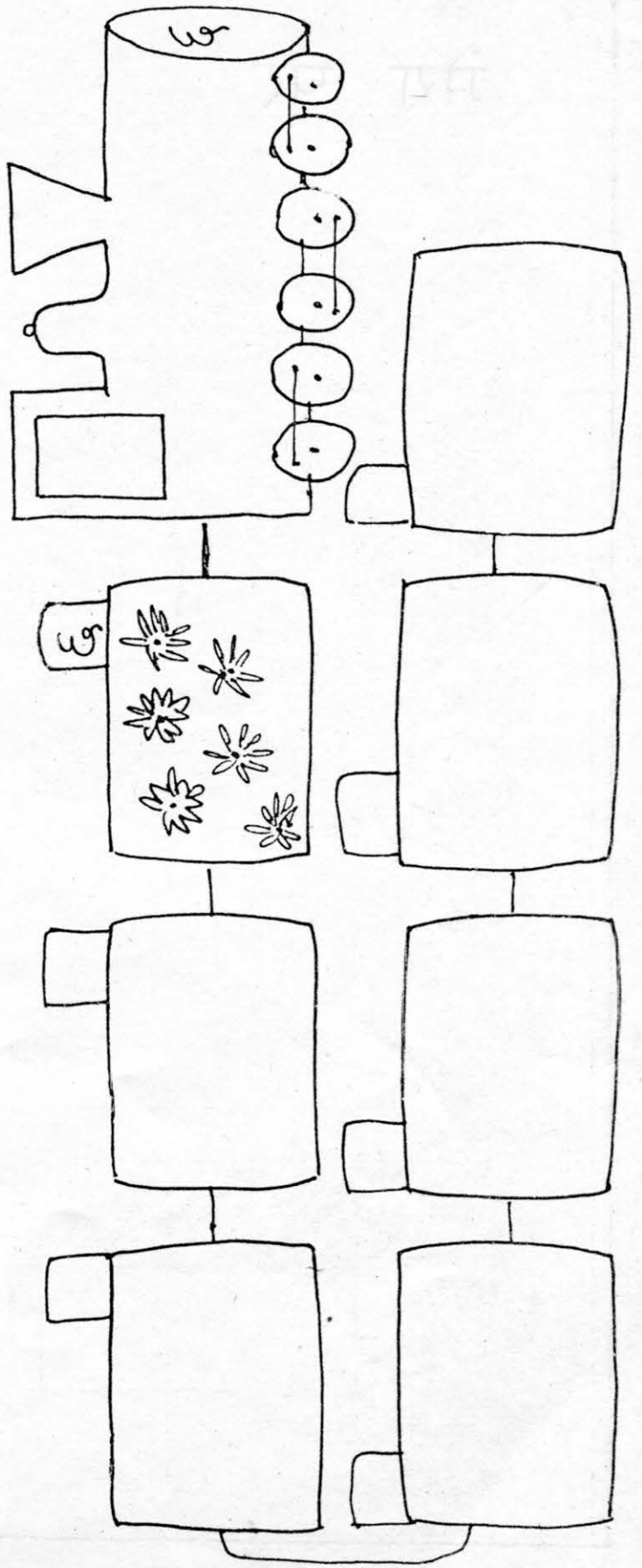


मटका मटकी

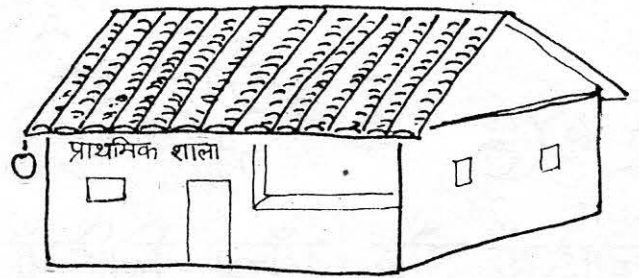




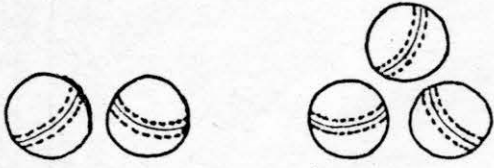
रेलम रेल



मेरा घर

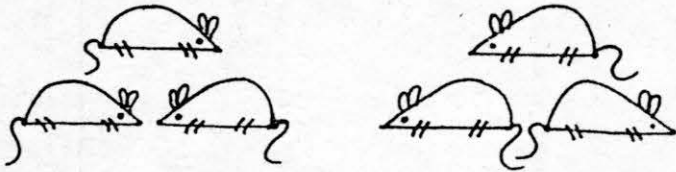


जोड़



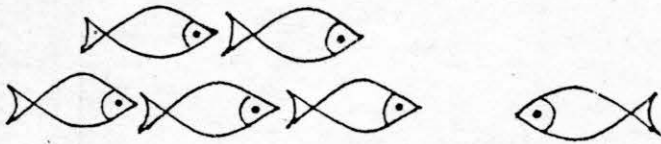
दो गेंद और तीन गेंद

----- गेंद



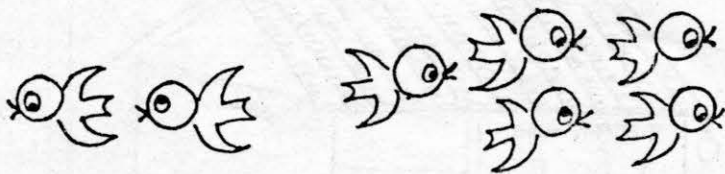
तीन चूहे और तीन चूहे

----- चूहे



पाँच मछलियाँ और एक मछली

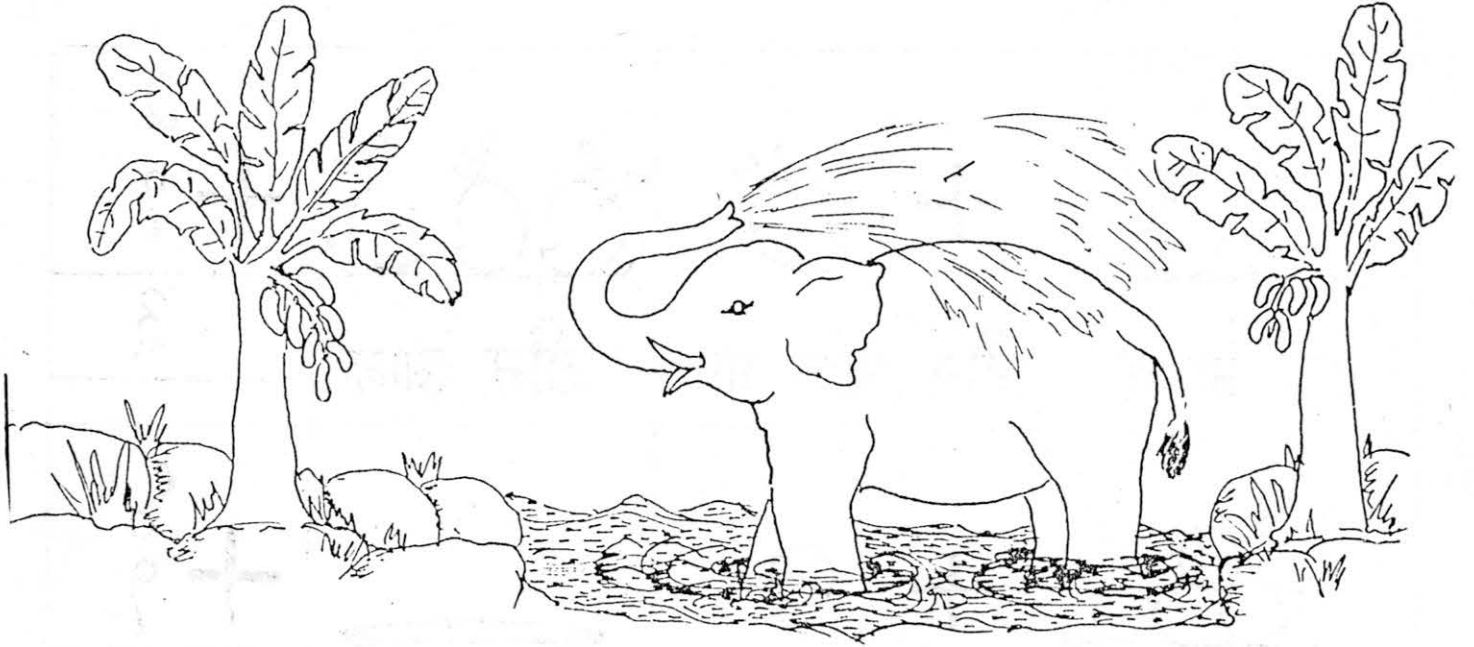
----- मछलियाँ



दो चिड़ियाँ और पाँच चिड़ियाँ

----- चिड़ियाँ

हाथी

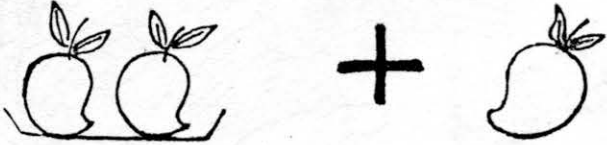
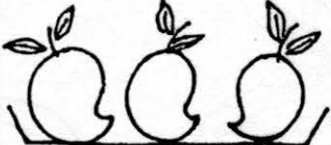

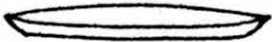

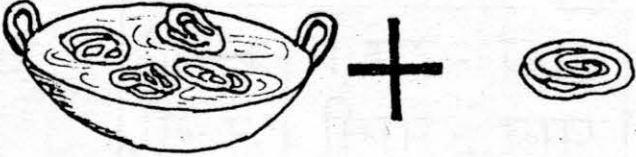
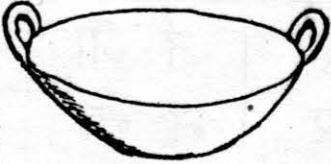


जब पानी में जाता हाथी
 भर भर सूंड नहाता हाथी ।
 कितने केले खाता हाथी
 यह तो नहीं बताता हाथी ।
 धम्मक धम्मक आता हाथी
 धम्मक धम्मक जाता हाथी ।

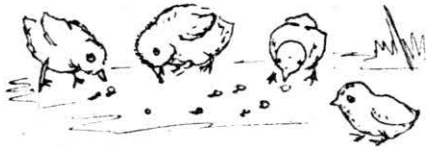
जल - जाल		ज - जा
नर - नार		न ना
जाता खाता		

हाथ - हाथी		थ - थी
पान - पानी		न - नी
हाथी पानी		

कितने सारे

 <p>दो आम और एक आम</p>	 <p>तीन आम</p>	$\begin{array}{r} 2 \\ + 1 \\ \hline 3 \end{array}$
 <p>चार लड्डू और एक लड्डू</p>		$\begin{array}{r} 4 \\ + 1 \\ \hline \end{array}$
 <p>दो डिब्बे और दो डिब्बे</p>		$\begin{array}{r} 2 \\ + 2 \\ \hline \end{array}$
 <p>चार जलेबियाँ और एक जलेबी</p>		$\begin{array}{r} 4 \\ + 1 \\ \hline \end{array}$

चिड़िया











१

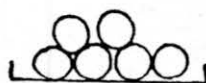
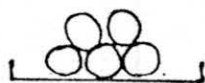
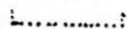
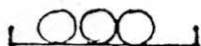
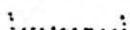
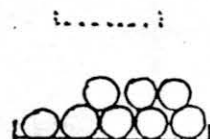
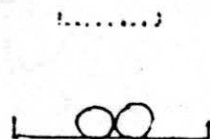
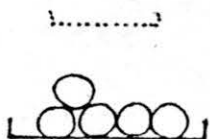
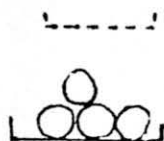
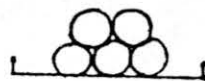
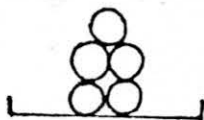
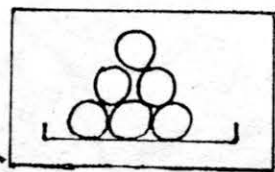
२

३

४

५

लड्डू

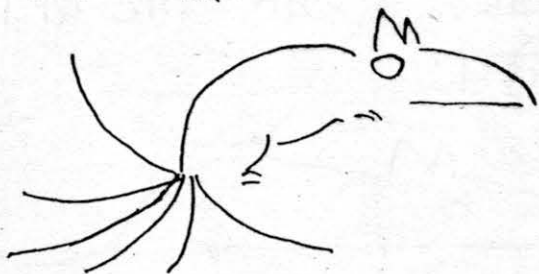


सात पूंछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे को सात पूंछें थीं। सब उसे चिढ़ाते - सात पूंछ का, चूहा, सात पूंछ का चूहा।



आखिर तंग आ कर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा - ए नाई, मेरी एक पूंछ काट दो। नाई ने एक पूंछ काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ छह पूंछें।

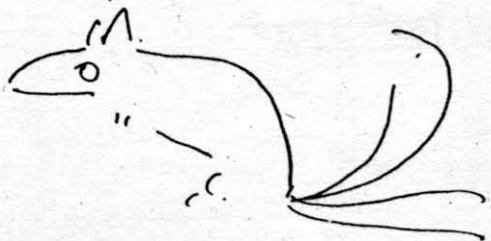


अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला, सब उसे चिढ़ाने लगे - छह पूंछ का चूहा, छह पूंछ का चूहा। चूहा फिर से तंग आ गया। वो गया नाई के पास। उसने कहा - ए नाई, मेरी एक पूंछ और काट दो। नाई ने एक पूंछ और काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ पांच पूंछें।

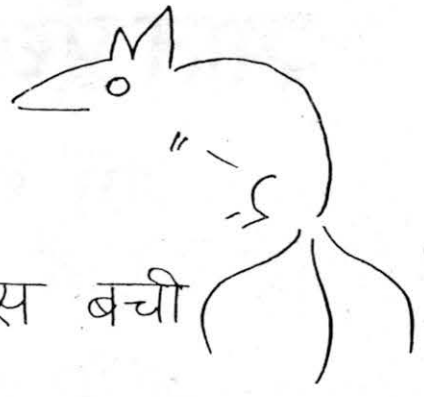


पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे -

पांच पूंछ का चूहा, पांच पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। ए नाई, मेरी एक पूंछ और काट दो। नाई ने एक पूंछ और काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ चार पूंछें।

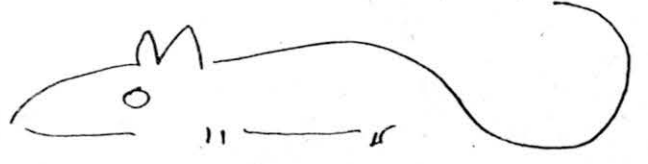


पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे -
 चार पूंछ का चूहा चार पूंछ का चूहा।
 चूहा गया नाई के पास। नाई ने
 एक पूंछ और काट दी। अब उसके पास बची
 सिर्फ तीन पूंछें।



पर सब उसे चिढ़ाते -
 तीन पूंछ का चूहा, तीन पूंछ का चूहा।
 चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूंछ और काट दी।
 अब उसके पास बची दो ही पूंछें।

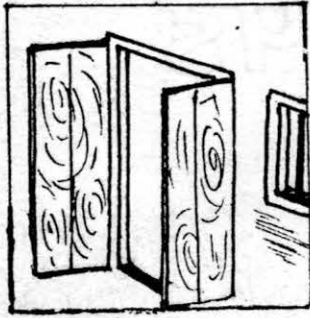
पर सब उसे चिढ़ाते -
 दो पूंछ का चूहा, दो पूंछ का
 चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूंछ और
 काट दी। अब वो एक पूंछ का चूहा हो गया।



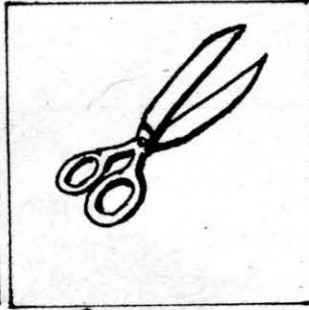
पर सब उसे चिढ़ाते। एक
 पूंछ का चूहा, एक पूंछ का चूहा।
 तो चूहा गया नाई के पास। नाई
 ने आखिरी पूंछ भी काट दी। अब पूंछ ही नहीं बची।

लेकिन फिर भी सब चूहे को चिढ़ाते -
 बिना पूंछ का चूहा, बिना पूंछ का चूहा।

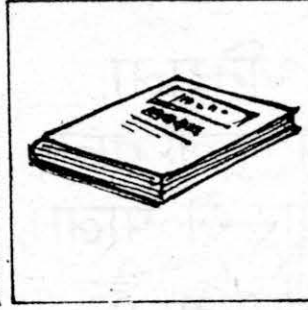
कौन किससे बना



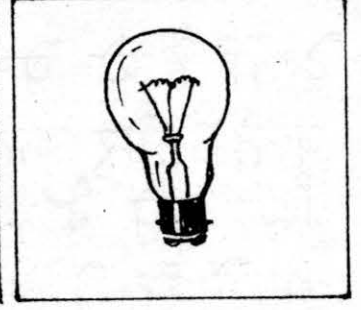
दरवाजा



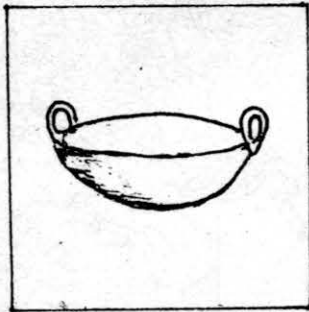
कैंची



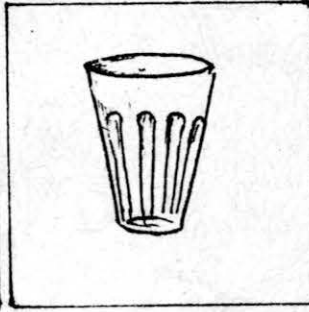
किताब



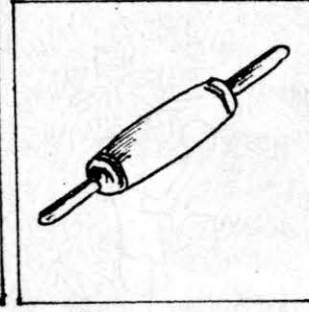
बल्ब



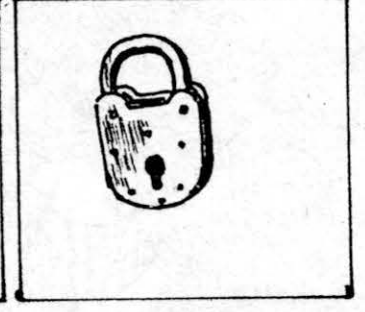
कड़ाही



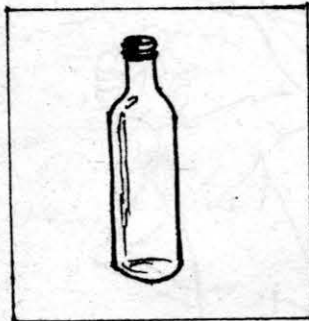
गिलास



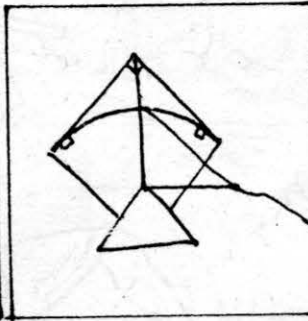
बैलन



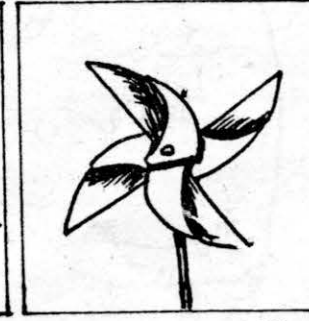
ताला



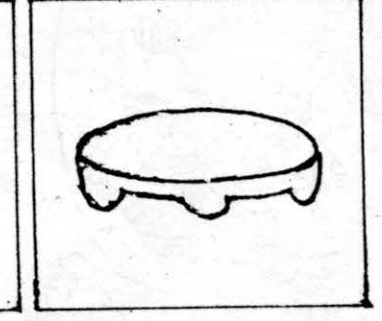
बोतल



पतंग



फिरकनी



चकला

लकड़ी	लोहा	काँच	कागज

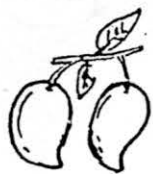
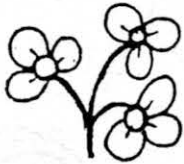


पैड़


देखो है ये पेड़ निराला,
पत्ती और फल फूलों वाला,
मैंने इसे है प्यार से पाला।
आमों से ये लदा हुआ है,
तुम भी आ के खाओ लाला।




देखो बाग में कैसी हलचल,
खेल रहे हैं बच्चे चंचल।
तोड़ तोड़ के खाते फल,
माली कहता चल भगचल।



कितने कितने

दो आम		2	3 फूल		3
और		+	और		+
तीन आम		3	3 फूल		3



2 गोले 

और

..... गोले  8

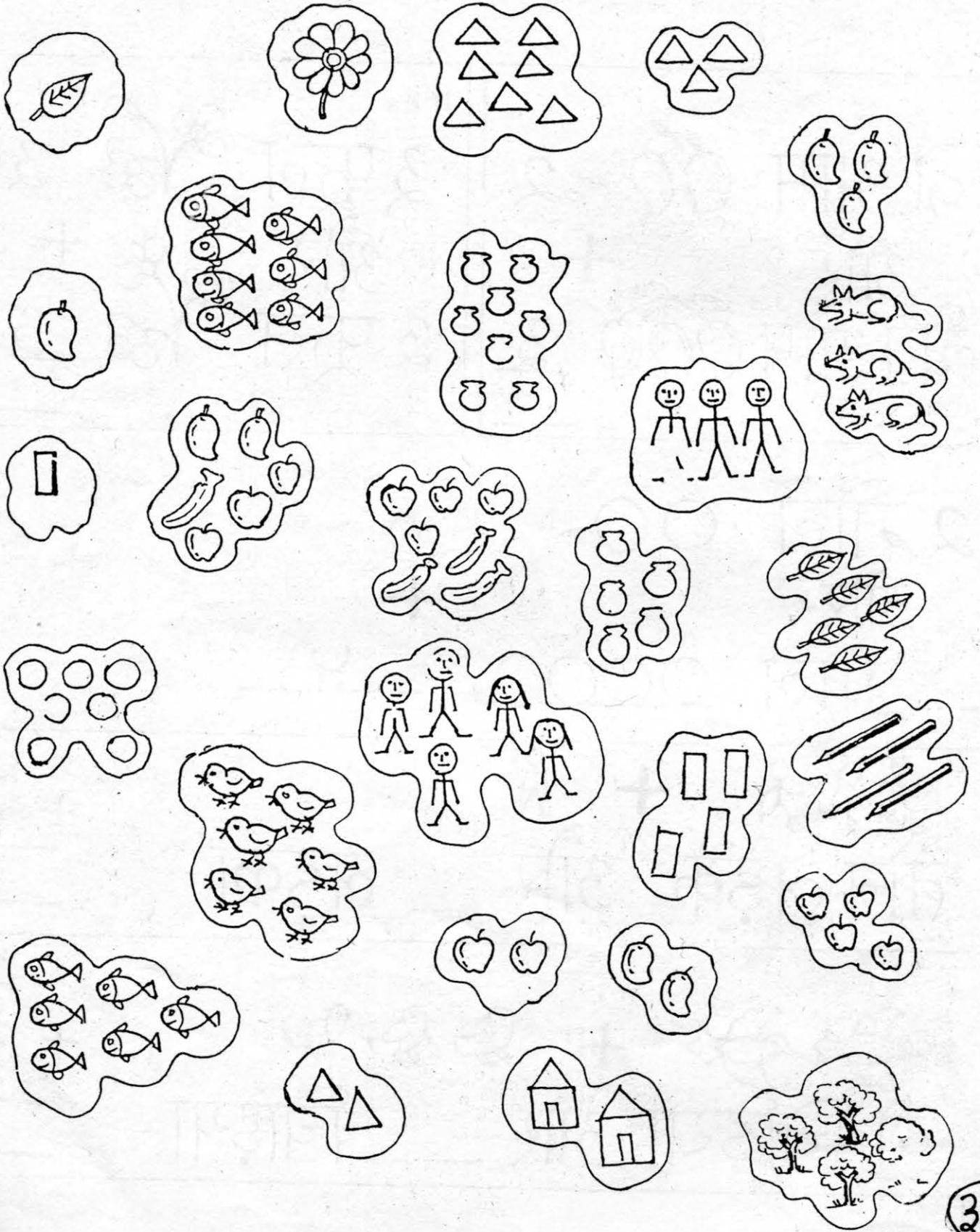
 + 

तीन लड़के और लड़का 9

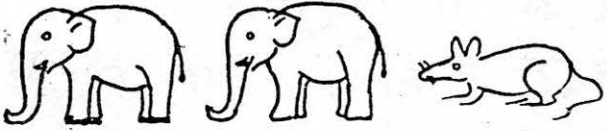
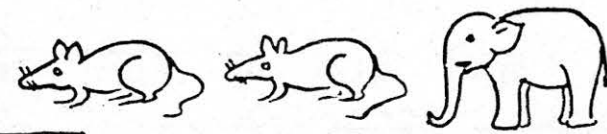
 + 


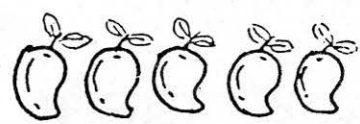
दो चिड़िया और चिड़िया 5

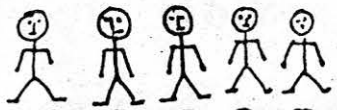
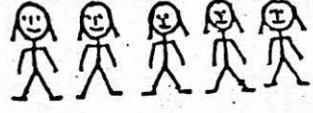
टोली मिलाओ





जोड़म - जोड़

३ जानवर  ३
 और
 ३ जानवर  + ३
६ जानवर ६

१ फल  १
 और
 ५ फल  + ५
..... फल

५ लड़के  ५
 और
 ५ लड़कियां  +
..... बच्चे

१ पेड़  +
 और
 ३ पेड़ 
.....

३८ बारिश कैसे मिली?

एक था बगुला । और एक था बंदर । दोनों एक बरगढ़ के नीचे रहते थे ।



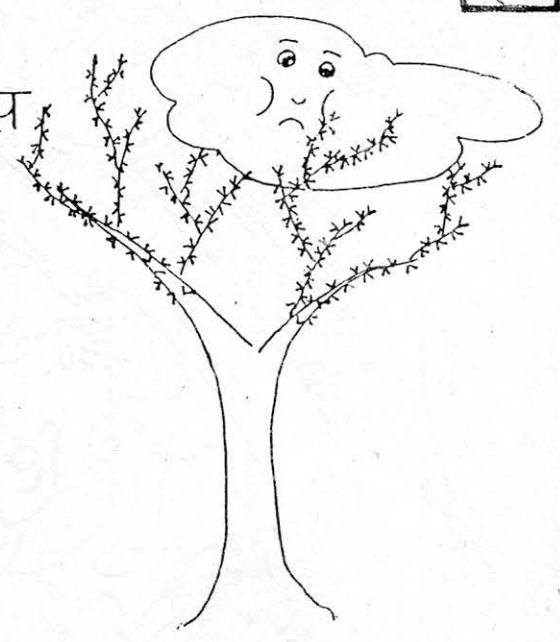
वहीं पास में एक नदी भी थी लेकिन नदी में पानी नहीं था । पानी तो बारिश आने पर ही आ सकता था । तो बगुला और बंदर दोनों बारिश ढूंढने के लिये निकल पड़े ।

रास्ते में मिली एक बिल्ली । बंदर ने पूछा - बिल्ली, बिल्ली, हमें बारिश कहां मिलेगी ? बिल्ली ने कहा - बारिश तो मिलेगी बादल के पास ।

दोनों आगे बढ़े । रास्ते में मिली एक बकरी । बगुले ने पूछा - बकरी, बकरी, हमें बादल कहां मिलेगा? बकरी ने कहा - बादल तो बूढ़े बबूल में फंसा है ।

दोनों आगे बढ़े । रास्ते में मिला एक बड़ा सा बैल । बंदर और बगुले ने पूछा - बैल, बैल, हमें बूढ़ा बबूल कहां मिलेगा ?

तो बड़े से बैल ने कहा - बूढ़ा
बबूल तो बल्हर की बाड़ी के पास
पास है ।



दोनों पंहुचे बल्हर की
बाड़ी में । वहाँ पास में दिखा
बूढ़ा बबूल । उसके कांटों में
बैचारा बादल फंसा हुआ था ।

बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया । बगुला भी
उड़ कर ऊपर पंहुच गया । दोनों ने मिलकर बादल
को बबूल से निकाला । बादल बहुत खुश हुआ ।



बादल के खुश होने पर बारिश हुई ।
नदी में धीरे-धीरे पानी आया । बंदर और
बगुला हंसने लगे और खूब नाचे ।

-
- | | | | |
|-------|-------|--------|-----|
| बंदर | बादल | बकरी | बैल |
| बल्हर | बारिश | बिल्ली | |
| बरगद | | बाड़ी | |
| बबूल | | | |
| बगुला | | | |

पानी में रहने वाले जीव

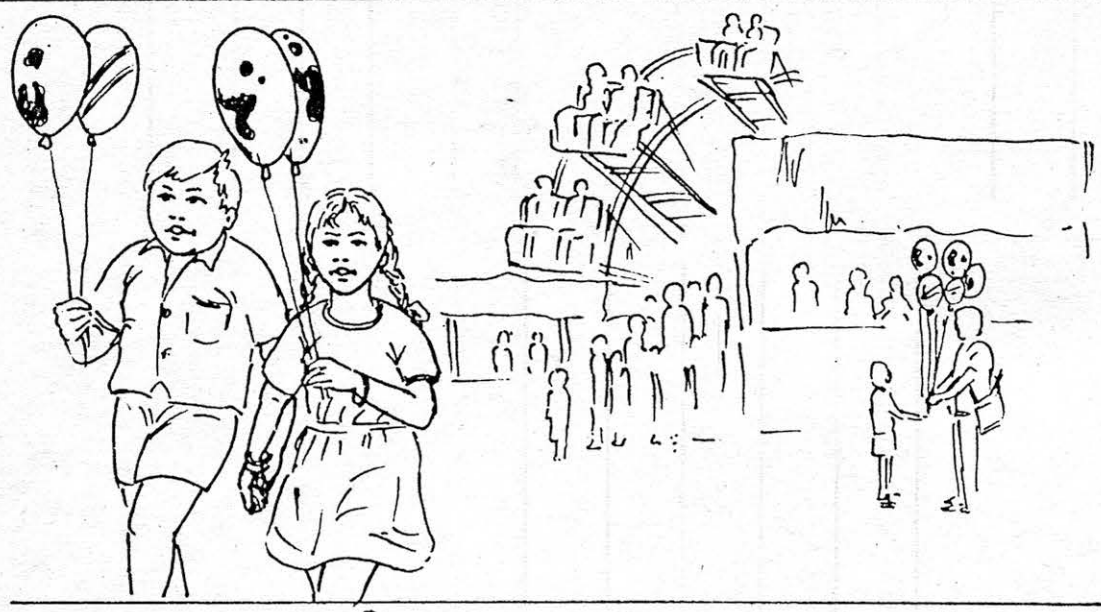
जंगल

जमीन पर रहने वाले जानवर

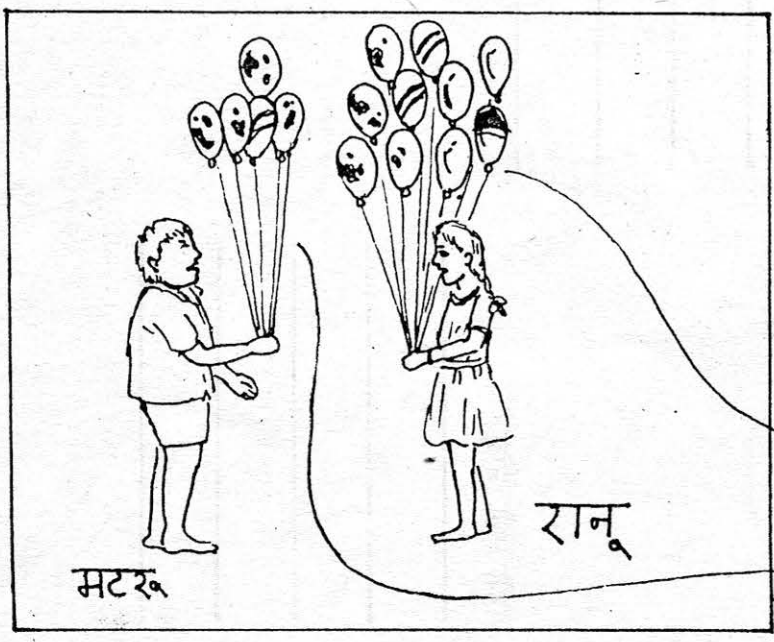
उड़ने वाले जीव

तेज दौड़ने वाले जानवर

फुगगी

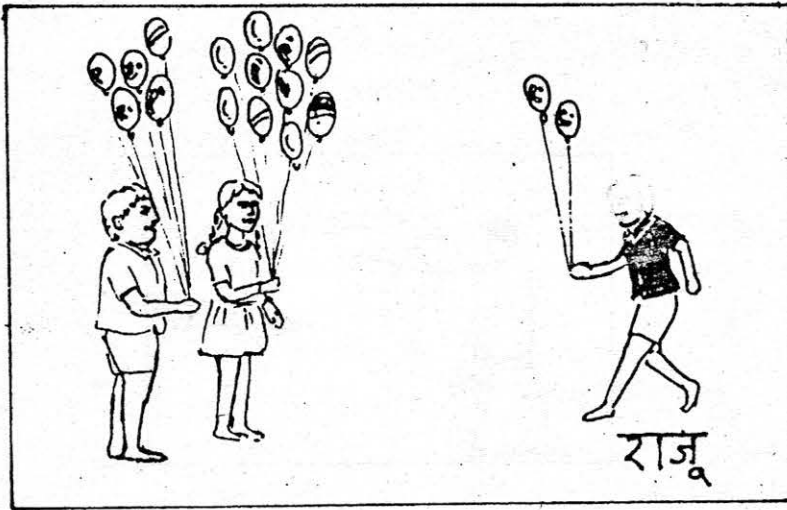


रानू और मटरू मेला देखने गये।
 वहां उन्होंने फुगगे खरीदे।



रानू -
 मेरे पास दस
 फुगगे हैं। तेरे पास
 तो सिर्फ पांच ही हैं।
 दोनों के पास
 कितने फुगगे हुए?

—
+
—
—

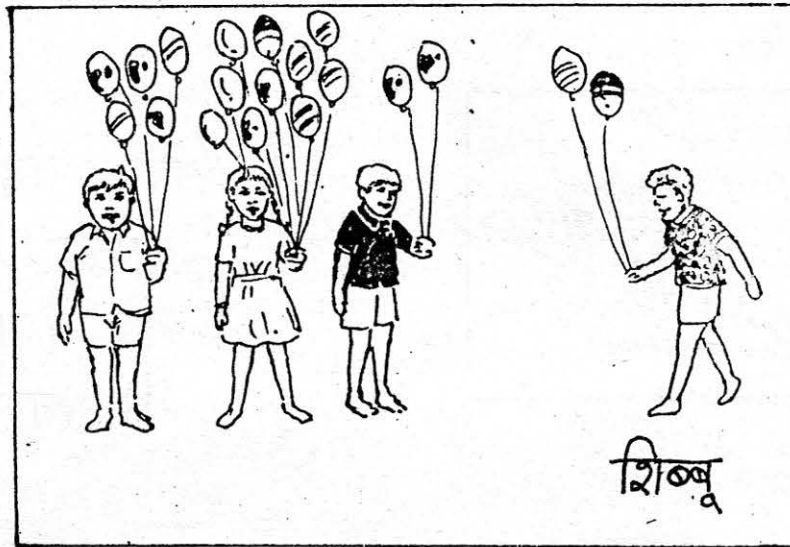


मटरू -
हमारे पास १५
फुगगे हैं। राजू के
पास तो २ ही हैं।

$$\begin{array}{r} + \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

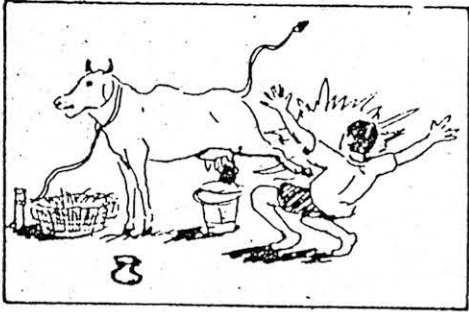
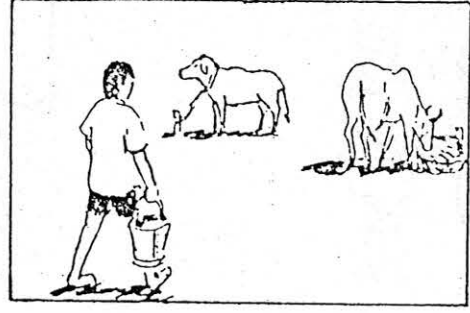
रानू - शिबू,
तू भी हमारे साथ
आ जा। हमारे
पास खूब सारे
फुगगे हो जायेंगे।

$$\begin{array}{r} १७ \\ + २ \\ \hline \\ \hline \end{array}$$



गैय्या

गैय्या मेरी बड़ी सयानी
मांग रही खाने को सानी।
सुंदर बछिया उसकी रोती
खूँटे पर ही बंध कर सोती।



गैय्या दुहने जब मैं बैठा
बछिया ने गैय्या को देखा
तब गैय्या ने मारी लात
मैंने खाई चार कुलाट।

मैंने चार कुलाट खाई	मैंने खाई चार कुलाट
जब मैं गैय्या दुहने बैठा	गैय्या दुहने जब मैं बैठा
खाने की सानी मांग रही	मांग रही खाने की सानी
उसकी सुंदर बछिया रोती	सुंदर बछिया उसकी रोती

इन्हें भी जोड़ो

$$\begin{array}{r} + 3 \\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} + 8 \\ 9 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} + 2 \\ 7 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 2 \\ + 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

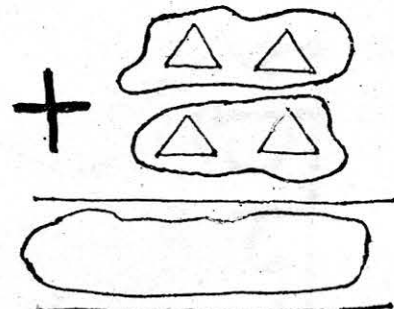
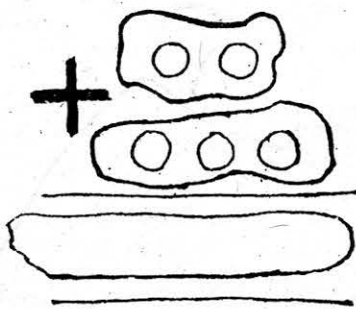
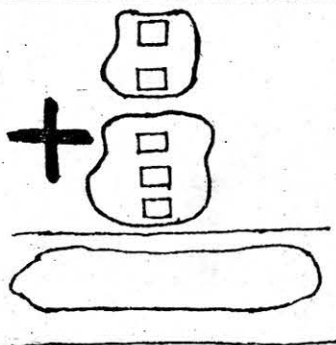
$$\begin{array}{r} 8 \\ + 8 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 8 \\ + 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

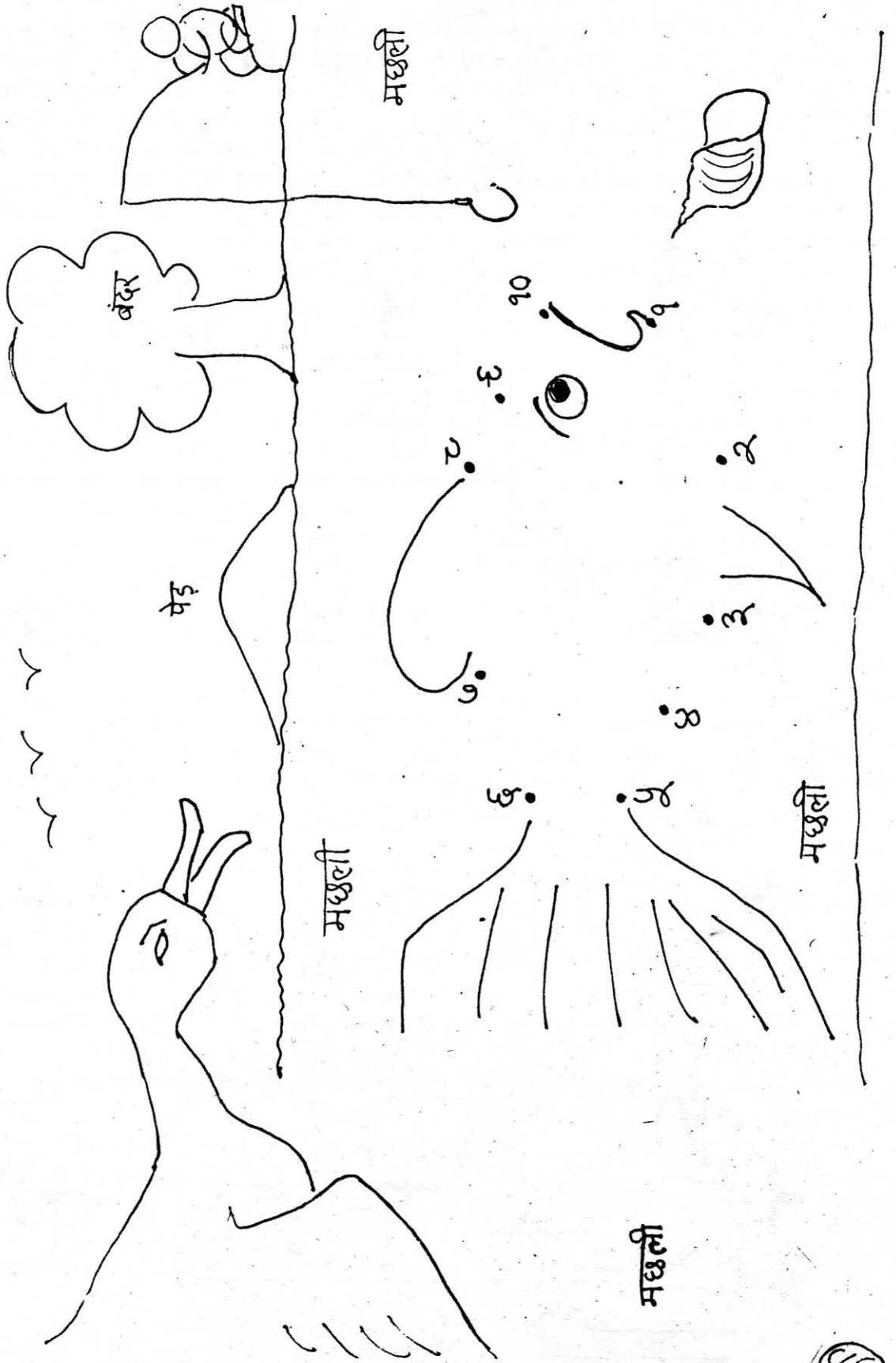
$$\begin{array}{r} 6 \\ + 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} + 2 \\ 6 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 2 \\ + 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$



चतुर चुनमुनी



एक थी **मछली** । बहुत चंचल , बहुत चालाक
उसका नाम था **चुनमुनी** ।

चुनमुनी दूसरी मछलियों से बहुत बड़ी थी।
लेकिन छोटी मछलियों से उसकी खूब दोस्ती थी।

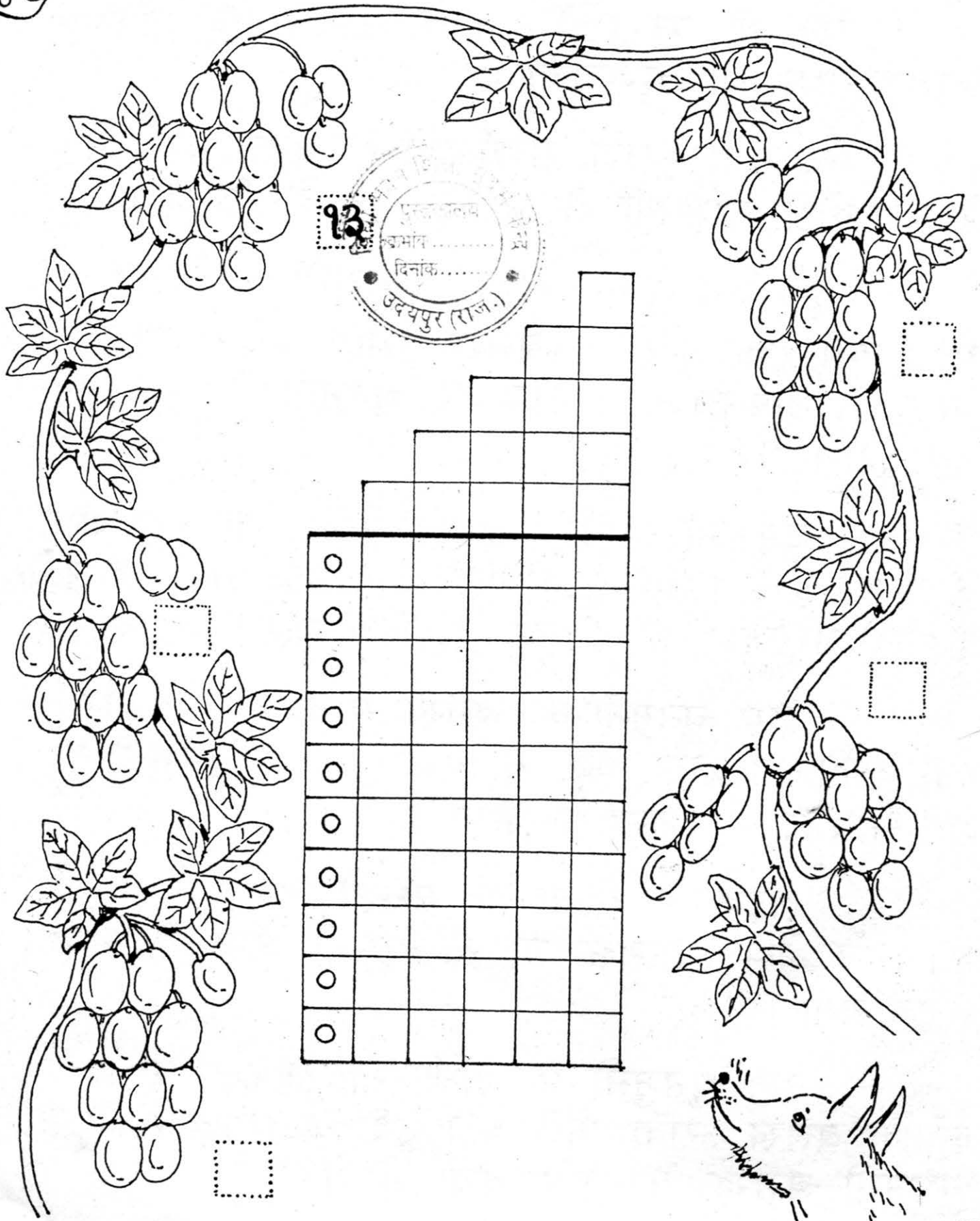
एक दिन सुबह-सुबह **चुनमुनी** घूमने जा रही
थी। तभी एक बड़ी सी **बत्तख** उसके पीछे पड़ गई।
बत्तख ने अपनी चौंच खोलकर **चुनमुनी** को पकड़ने
की कोशिश की।

चुनमुनी भागी। भागते-भागते वो एक **शंख**
के पास पहुँची। वहाँ एक **गल** टंगा हुआ था। एक **लड़के**
ने छोटी मछलियों को पकड़ने के लिये **गल** टंगा था।

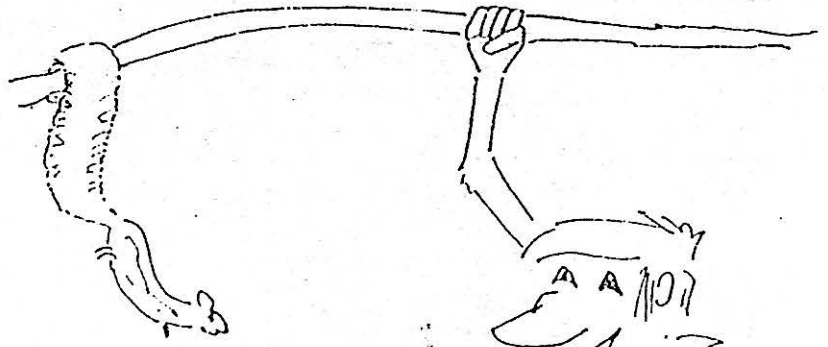
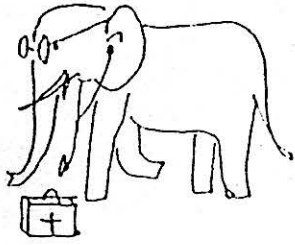
इधर **चुनमुनी** को **बत्तख** से बचना था। और
उधर छोटी मछलियों को भी बचाना था। **चुनमुनी** ने
झट से **शंख** को **गल** में फंसा दिया।

लड़के ने सोचा कि **मछली** पकड़ में आ गई
है। उसने जैसे ही **गल** को खींचा, वो **शंख** के भार
से टूट गया।

पर **चुनमुनी** पर अभी भी आफत थी।
क्योंकि **बत्तख** उसके पीछे पड़ी हुई थी। अब सोचो,
चुनमुनी **बत्तख** से कैसे बची होगी ?

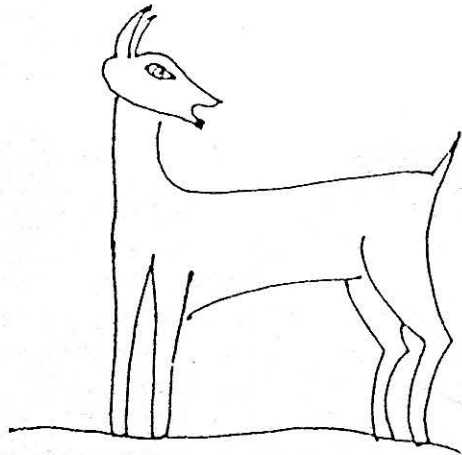


डाक्टर



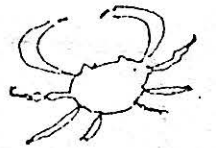
चिकिचां

हैरो



बोडो

किचक्

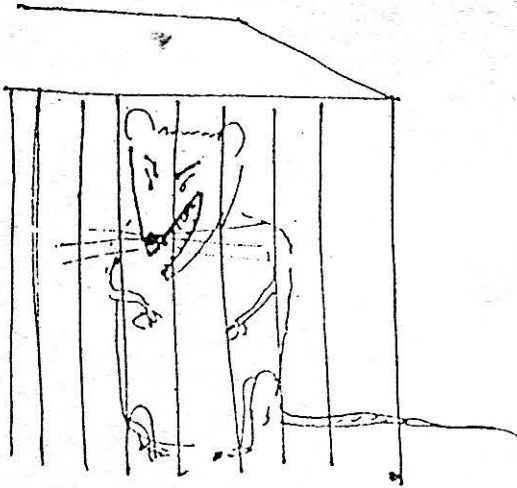


अपट्ट



नाकूलाचा

सलगू



सैलानी



